अरविन्द पाण्डेय

शिक्षा मंत्री,

उत्तराखण्ड सरकार

दिनांक : 26 जनवरी 2021

संदेश

प्रदेश के प्रिय छात्र–छात्राओं, सम्मानित अभिभावकों, विद्वान शिक्षक बन्धुओं, शिक्षणेत्तर कर्मियों एवं समस्त प्रदेश वासियों को 72वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

साथियों आज के ही दिन ठीक 71 वर्ष पूर्व 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ। भारतीय संविधान के अनुसार देश में सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना हुई। लोकतंत्र अर्थात प्रजातंत्र में जनता के अभिमत द्वारा सरकारों का गठन होता है, जिसके क्रम में केन्द्र सरकार, प्रदेशों में राज्य सरकार तथा स्थानीय स्तर पर स्थानीय स्वशासन की सरकारों (जैसे ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत एवं नगर पंचायत आदि) का गठन जनता के मताधिकार के द्वारा होता है।

देश के प्रशासन का सर्वोच्च व्यक्ति अर्थात भारत के राष्ट्रपति जनता के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से 05 वर्षो के लिए निर्वाचित होते हैं। महामहिम राष्ट्रपति के निर्वाचन में जनता के निर्वाचित प्रतिनिधि, संसद के सदस्य एवं राज्य विधान सभाओं के सदस्य अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं, केन्द्र सरकार के संन्दर्भ में प्रधानमंत्री एवं केन्द्रीय मंत्रीमण्डल तथा राज्यों के सन्दर्भ में मुख्यमंत्री एवं राज्य मंत्रीमण्डल कार्यपालिका अर्थात प्रशासन का संचालन करते हैं। जनता के द्वारा चुनी हुई प्रतिनिधि सभाएं अर्थात भारतीय संसद एवं राज्यों के विधान मण्डल कानून बनाने का कार्य करते हैं, तथा सर्वोच्च न्यायालय, राज्यों में उच्च न्यायालय कानूनों का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु न्याय व्यवस्था संचालित करते हैं। तीनो व्यवस्थाओं का सामंजस्य सरकारों के प्रभावी संचालन हेतु उपयोगी होता है। उक्त दृष्टान्त इस रूप में प्रस्तुत किये जा रहें, कि हमारे प्रिय छात्र–छात्राओं को भारत के संविधान एवं लोक तांत्रिक संस्थाओं के क्रियाकलापों की जानकारी होनी चाहिए इसके लिए मेरा शिक्षक साथियों से अनुरोध है कि छात्र–छात्राओं के साथ देश के संविधान एवं देश के लोकतांत्रिक स्वरूप की जानकारी साझा की जाय। मेरा अनुरोध है कि

छात्र–छात्राओ तक गणतंत्र दिवस सदेश के साथ देश के संविधान एवं लोकतांत्रिक स्वरूप पर जानकारियां बच्चो को ई–कंटेन्ट के माध्यम से भी प्रदान की जाय।

वर्तमान शैक्षिक सत्र कोविड–19 वैश्विक महामारी के संक्रमण के कारण प्रभावित रहा है। तथापि हमारे विद्वान शिक्षक साथियो के द्वारा ऑन लाइन कक्षा शिक्षण, वर्चुवल क्लास, दूरदर्शन, कम्यूनिटी रेडियो, वर्क शीट, विभिन्न ई–कंटेन्ट तथा छात्र–छात्राओं से व्यक्तिगत सम्पर्क कर छात्र–छात्राओं के अधिगम मे सहयोग किया गया है। कोविड–19 के संक्रमण से आम जनता को सुरक्षित रखने हेतु विभिन्न क्वॉरन्टाईन सेन्टरों में कतिपय शिक्षको द्वारा भी बडी लगन से कार्य किया गया। कोविड–19 संक्रमण के दौरान लगन एवं मेहनत से कार्य करने वाले अभिकर्मियों को मै हार्दिक साधुवाद देता हूँ।

साथियों प्रदेश सरकार छात्र–छात्राओं के शिक्षण तथा उनको उपयोगी कैरियर हेतु मार्गदर्शन प्रदान करने के प्रति कृत संकल्प है। कोरोना काल में कतिपय हमारे प्रदेशवासी अपने गाव की तरफ लौटे है, ऐसे अभिभावको के छात्र–छात्राओं की शिक्षा के प्रति भी राज्य सरकार गम्भीर है।

साथियो प्रदेश के प्रत्येक विकासखण्ड में दो–दो राजकीय इण्टर कालेजों को अटल उत्कृष्ट विद्यालय के रूप मे चयनित कर "CBSE" बोर्ड से मान्यता प्रदान करने का राज्य सरकार द्वारा निर्णय लिया गया है। इन विद्यालयों को एक आदर्श विद्यालय के रूप मे अग्रेजी तथा हिन्दी माध्यम से संचालित कर स्थानीय स्तर पर प्रत्येक विकासखण्ड में उच्च गुणवत्ता युक्त शिक्षण संस्थाये उपलब्ध कराये जाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा सकारात्मक निर्णय लिया गया है। प्रदेश के 500 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों को समग्र शिक्षा के अन्तर्गत वर्चुवल क्लास से जोडा गया है। इसे विस्तारित कर 600 और विद्यालयों को वर्चुवल क्लॉसरूम से जोडे जाने की प्रक्रिया गतिमान है। शिक्षकों की व्यवसायिक दक्षता हेतु वर्चुवल क्लास के माध्यम से ई–प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

देश के माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय केन्द्रीय शिक्षा मंत्री जी की सकारात्मक पहल के प्रतिफल स्वरूप देश की नई शिक्षा नीति प्रख्यापित की गयी है, जिसमें राष्ट्र की लोक संस्कृति, परम्परा के साथ–साथ शिक्षण संस्थाओं के स्तर से ही बच्चों को व्यवसायिक दक्षता का कौशल विकसित करने की संकल्पना की गयी है। उक्त संकल्पना के सापेक्ष प्रदेश में नवीन शिक्षा नीति को कार्य रूप में परिणित करने हेतु प्रक्रिया आरम्भ कर ली गयी है। आशा है शीघ्र ही प्रदेश वासियों एवं प्रदेश के प्रिय छात्र–छात्राओं को इसका सकारात्मक प्रतिफल प्राप्त होगा। मेरा शिक्षक साथियों एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों से इस पुनीत अवसर पर अनुरोध है कि हम

सभी अपने–अपने कार्य क्षेत्र मे अपना कार्य दायित्व पूर्ण निष्ठा एवं लगन के साथ करते रहें यह राष्ट्र के प्रति सच्ची देश भक्ति होगी क्योकि ईमानदारी एवं पूर्ण निष्ठा से अपना कार्य करना भी सच्चे अर्थो मे राष्ट्र सेवा है।

अन्त में इस पुनीत अवसर पर राष्ट्र के बलिदान हेतु अपने प्राणों को न्योछावर करने वाले वीर शहीदों को नमन करते हुए तथा भारत के संविधान के प्रस्ताव को तैयार करने वाले हमारे विद्वान लोक नायकों को प्रणाम करते हुए मैं समस्त प्रदेश वासियों को गणतन्त्र दिवस की हार्दिक शुभकामना प्रदान करता हूँ।

जय हिन्द! जय उत्तराखण्ड!

(अरविन्द पाण्डेय)
शिक्षा मंत्री,
उत्तराखण्ड सरकार